संसद भवन परिसर में भारतीय रेल कार्मिक सेवा, भारतीय राजस्व सेवा तथा भारतीय रक्षा संपदा सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में पधारे सभी भारतीय राजस्व सेवा, भारतीय रेल कार्मिक सेवा के अधिकारियों का मैं संसद के इस कक्ष में हार्दिक अभिनंदन करता हूं और स्वागत करता हूं। आप सब लोग देश की महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षा, संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद आपको देश की अलग-अलग सेवाओं में कार्य करने, देश सेवा करने और आपके प्रयासों से देश के लोगों के जीवन में परिवर्तन करने तथा उनकी चुनौतियों के समाधान का मौका मिलेगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंदर हम किस तरीके से सरकार की नीतियों, पॉलिसीज़ के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं, उसमें आपकी सकारात्मक भूमिका रहेगी।

आप सब लोग अलग-अलग राज्यों से यहां पर आये हैं। आपकी पृष्ठभूमि भी अलग-अलग तरीके की है।

इंजीनियरिंग सेक्टर से ज्यादा इस प्रतियोगी परीक्षा के अंदर पास होकर आए हैं। इंजीनियरिंग के अलावा डॉक्टर भी हैं, चार्टर्ड एकाउंटेंट भी हैं और विशेष रूप से अलग-अलग भाषा, अलग-अलग बोली, अलग-अलग संस्कृति से आप लोग आए हैं। आपको एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। ये सेवाएं चाहे राजस्व की सेवा हो या रेलवे की कार्मिक सेवा हो, सभी सेवाएं महत्वपूर्ण होती हैं।

उन महत्वपूर्ण सेवाओं के अंदर हमने जो कुछ भी अनुभव प्राप्त किया, चाहे शिक्षा प्राप्त करते समय हमने अनुभव प्राप्त किया, शिक्षा के बाद अलग-अलग सेक्टर्स के अंदर हमने जो अनुभव प्राप्त किया और उसके बाद इन सेवाओं के प्रशिक्षण के अंदर हमने जो अनुभव प्राप्त किया तथा आपने जो कुछ भी प्रशिक्षण में सीखा, उस प्रशिक्षण के बाद आपको इन सेवाओं के माध्यम से एक सकारात्मक परिवर्तन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी।

व्यक्ति के जीवन में सरकारी सेवाएं दो तरह की होती हैं। एक सरकारी सेवा वह होती है, जिसमें जुनून होता है, कुछ न कुछ परिवर्तन करने का सामर्थ्य होता है, शक्ति होती है, परिवर्तन करने के लिए हम अपनी सेवाओं में नया क्या परिवर्तन कर सकते हैं, क्योंकि टेक्नोलॉजी का जमाना आ गया है।

टेक्नोलॉजी के साथ ह्यूमन रिसोर्स के लिए भी आपको व्यक्तिगत रूप से संपर्क करना पड़ेगा और आपकी सेवाएं जनता से सीधे-सीधे संवाद से जुड़ी हुई हैं। इसलिए आपको विशेष रूप से इन सेवाओं में हमारे नौजवानों की बौद्धिक क्षमता, उनका इनोवेशन, रिसर्च करने की नई शक्ति और सामर्थ्य से आपको एक बेहतर परिवर्तन करने के लिए शुरुआत करनी पड़ेगी।

75 वर्ष की इस लोकतंत्र की यात्रा में हमने बहुत सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन किए हैं। हमारे देश के अंदर संसदीय लोकतंत्र प्रणाली है और आज दुनिया के अंदर संसदीय लोकतंत्र प्रणाली को शासन चलाने की सर्वश्रेष्ठ प्रणाली माना गया है।

इस लोकतंत्र की संसदीय प्रणाली के अंदर संसद को समझना, संसद की कार्यप्रणाली को समझना, संसद में होने वाली डिबेट/चर्चा को समझना और संसद में समय-समय पर नीति/पॉलिसी/कानून बनाते समय जो डिबेट/चर्चा हुई, उसे समझना, यह चीज आपके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है। कोई भी नीति/पॉलिसी बनी, उस पर सदन में क्या चर्चा हुई, संसद में, विधान सभाओं में किसी पॉलिसी के ऊपर, नीति के ऊपर माननीय सदस्यों के क्या-क्या विचार थे, कानून बनाते समय जो-जो चर्चा होती है, जैसे कि यह कानून क्यों लाया गया, इस कानून को लाने का उद्देश्य क्या था और कानून बनने के बाद उसमें परिवर्तन करने के क्या-क्या कारण थे, यह सब जानकारी आपको होनी चाहिए।

हर कानून को बनाते समय हर सरकार यह कोशिश करती है कि हम इस कानून के माध्यम से अपनी जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। उनके जीवन को सरल

बना सकें और सरकारी योजनाओं के माध्यम से करप्शन कम करते हुए हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

जब आप संसद की डिबेट/चर्चा को देखेंगे, सुनेंगे तो आपको जनप्रतिनिधियों के अनुभवों, विचारों को समझने का अवसर मिलेगा। उसके बाद अपने जीवन के अंदर आपको एक नई दिशा मिलेगी कि अपनी सेवा में रहते हुए मुझे कुछ नया परिवर्तन करना है।

आपको यह सोचना चाहिए कि अपने विभाग के अंदर मैं अपने प्रयासों से, अपने अनुभव से, अपनी शिक्षा से, अपने ज्ञान के माध्यम से क्या परिवर्तन कर सकता हूँ। विभाग की नीतियाँ/पॉलिसी बनाते समय आपके इनपुट, आपके अनुभव का लाभ उस विभाग को मिले और उसके बाद विभाग/डिपार्टमेंट के माध्यम से जनता के जीवन के अंदर हम नया परिवर्तन ला सकें, यह हमारा प्रयास होना चाहिए।

अब परिवर्तन का युग शुरू हो चुका है। अब टेक्नोलॉजी का जमाना है। टेक्नोलॉजी का यूज होने से पारदर्शिता और सरलता आयी है। पारदर्शिता और सरलता आने के साथ-साथ टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम लोगों के नजदीक पहुँचे हैं। टेक्नोलॉजी के माध्यम से हम अपने यहाँ पर लोगों की समस्याओं, कठिनाइयों की ऑनलाइन ट्रैकिंग भी कर सकते हैं। जैसे आप राजस्व सेवा के अधिकारी हैं, राजस्व सेवा के अधिकारियों का काम राजस्व इकट्ठा करना भी है, लेकिन जो राजस्व देने वाले व्यक्ति हैं, राजस्व देते समय उनके मन में यह विचार आये कि मैं जो राजस्व दे रहा हूँ, जो धन दे रहा हूँ, उस धन से मेरे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा।

किस तरीके से रेवेन्यू सेक्टर के अंदर, पॉलिसी/नीति/कानून बनाने से जो-जो परिवर्तन आएंगे, उन्हें और बेहतर बनाने के लिए हमारे क्या सुझाव हो सकते हैं ताकि और बेहतर तरीके से राजस्व भी इकट्ठा हो, देने वाले को सुविधा हो, सरलता हो, हम करप्शन के सिस्टम को कम करते चले जाएं, मानवीय टच को कम करते चले जाएं, शासन-प्रशासन में

पारदर्शिता आये और आपके अनुभव का लाभ सरकार को भी मिले। इसी तरीके से रेलवे की पर्सनल सर्विस है। रेल परिवार एक बहुत बड़ा परिवार है। आज की तारीख में, देश की केन्द्र सरकार में सबसे ज्यादा लोग रेल परिवार में काम करने वाले हैं।

इसलिए, रेलवे की अलग-अलग सर्विसेज को अब एक करने का काम किया गया है। इसलिए, रेलवे की केवल पर्सनल सर्विस को ही नहीं, बल्कि आपको रेलवे के सारे सिस्टम्स को समझना पड़ेगा। रेलवे में काम करने वाले कर्मचारियों की कठिनाइयों को समझना पड़ेगा। इन कठिनाइयों को समझने के साथ ही रेल में यात्रा करने वाले आम आदमी, उस यात्री की कठिनाइयों को भी आपको समझना पड़ेगा। मालगाड़ी के अंदर किस तरीके से नया परिवर्तन कर सकते हैं, जिससे गंतव्य पर मालगाड़ी जल्दी पहुंचे और कम खर्चा आए?

इससे रोड एक्सीडेंट्स बचेंगे, रोड्स का खराब होना बचेगा। इन सारी सेवाओं में बहुत परिवर्तन आया है, लेकिन अभी और परिवर्तन करना है। हमारी जिंदगी में विराम-विश्राम नहीं होना चाहिए। हमारी जिंदगी में हम हर समय नई सोच, नया चिंतन करें। इस नई सोच और नए चिंतन से, हमारे सहयोग से, हमारे प्रयासों से, विभाग में परिवर्तन लाना और आम जनता के जीवन में परिवर्तन लाना, इन दोनों सकारात्मक दिशाओं में आपको काम करना पड़ेगा।

लोकतंत्र में जनता का शासन की उपयोगिता और सरकार की उपयोगिता तब होती है, जब हम उनके जीवन में नए सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। इसके लिए आपके ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

हमें क्वालिटी और क्वान्टिटी, दोनों पर ही बेहतरीन काम करना है। आप अमृतकाल के समय में आए हैं, यह अमृतकाल हमारे लिए महत्वपूर्ण है। अगले 25 वर्ष भारत के लिए और महत्वपूर्ण हैं। हमारे कार्यक्रम, नीतियां, पॉलिसीज बनाते समय हमारी सोच और हमारा चिंतन अगले 25 सालों के लिए होना चाहिए।

एक लंबी सोच के साथ, नए विचारों के साथ हम परिवर्तन लाएंगे। हमारे पड़ोसी देश रॉयल भूटान के अधिकारी भी यहां आए हैं। आपने देखा होगा कि भूटान में किस तरीके से उन्होंने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के विषय पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए अपने सिस्टम के रेवेन्यु पार्ट में ध्यान केंद्रित किया। उनका प्रयास है कि वे इंडस्ट्रीज भी लगाएं, सर्विस सेक्टर भी डेवलप करें, लेकिन उसमें पर्यावरण और व्यक्ति की जीवनशैली पर उन्होंने विशेष ध्यान दिया है।

इसलिए, सरकार में और प्रशासन में केवल राजस्व इकट्ठा करना, वह तो प्रक्रिया है, लेकिन राजस्व इकट्ठा करने के साथ-साथ उस राजस्व को देने वाला, उसको किस तरीके से अधिकतम सरलता के साथ वह दे सके और उस राजस्व का उपयोग ठीक हो रहा है या नहीं हो रहा है, यह देखना आवश्यक है। केवल अपने विभाग तक ही नहीं बल्कि सामाजिक कल्याण की योजनाओं तक पैसा ठीक से जा रहा है या नहीं जा रहा है, उसके लिए पब्लिक अकाउंट्स कमेटी बनी हुई है, जिसकी रिपोर्ट्स आप देखेंगे। आप अध्ययन करेंगे कि धन का जो उपयोग होता है, वह अगर ठीक दिशा में नहीं होता है, तो शासन के अंदर जो कई सारे विषयों की स्टैंडिंग कमेटियां हैं, वे समय-समय पर उसका रिव्यू करती रहती हैं। उसका भी आपको अध्ययन करना पड़ेगा।

आप संसद में जो ट्रेनिंग प्राप्त करने आए हैं, तो यहां की लाइब्रेरी, यहां के डिबेट्स, यहां होने वाली चर्चाएं, संसद की कार्यवाही, कार्य पद्धतियां और इन कार्य पद्धतियों, चर्चा-संवाद, डिबेट आदि से किस तरीके से इतने बड़े देश के अंदर, जहां अलग-अलग भाषा, अलग-अलग संस्कृति, इतनी विविधता, इतनी विशालता होने के बाद भी हमने संविधान से लेकर पिछले 75 वर्षों से डिबेट और चर्चा करके लोगों के जीवन में परिवर्तन किया।

आज हमें इस बात पर गर्व है कि भारत का लोकतंत्र सबसे सशक्त है, मजबूत है और उसमें पारदर्शिता है। यहां लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, बोलने की आजादी है, बहुदलीय व्यवस्था है, अपनी-अपनी विचाराधारा से लोग अपनी बात को रखते हैं, लेकिन

जब देश का सवाल आता है, तो सारे देश को संसद जोड़ने का काम करती है। इसलिए, ये दो दिन आपके लिए महत्वपूर्ण हैं।

मुझे लगता है कि यहां के अनुभव का लाभ आपको अपने जीवन में मिलेगा। इस अनुभव से आप एक सकारात्मक परिवर्तन की दिशा तय कर पाएंगे। आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। (इति)